महिला अध्ययन केन्द्र, मथुरा माह फरवरी गतिविधि

आज दिनांक 07 फरवरी, 2024 को उ0प्र पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा ग्राम बदीं, तहसील महावन, ब्लॉक बल्देव जिला मथुरा, के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में महिला अध्ययन केन्द्र के अर्न्तगत महिलाओं एंव बालिकाओं के लिए राष्ट्रीय महिला दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान दिवस एंव सरोजिनी नायडू जी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित समस्त बालिकाओं, महिलाओं को भारतीय इतिहास में अपनी दक्षता व प्रतिभा से विज्ञान, शिक्षा, खेल, कला, उद्योग, चिकित्सा, शासन आदि विभिन्न क्षेत्रो में प्रख्यात महिलाओं की जीवनी, शिक्षा व अप्रतिम प्रतिभाओं से परिचित कराया गया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित करने हेतु मुख्य समन्वयक डॉ संजीव सिह, कार्यक्रम समन्वयक डॉ रश्मि सिंह, डॉ अम्बिका शर्मा, डॉ पारूल, डॉ शालिनी वासवानी, श्रीमती अर्चना, श्रीमती ममता ने अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम के सफल संचालन में विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री अशोक कुमार तथा सहायक अध्यापिका श्रीमती नीलम सिह का योगदान भी उल्लेखनीय रहा । इस कार्यक्रम में लगभग 48 बालिकाओं तथा 22 महिलाओं ने पूर्ण उत्साह व ऊर्जा से प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम की मुख्य विषय–वस्तु के दृष्टिगत समस्त प्रतिभागियो को वर्तमान युग मे महिलाओं की शिक्षा तथा उनको स्वावलम्बी बनाने हेतु विभन्न क्षेत्रों जैसे–चिकित्सा, विज्ञान, खेल कूद, बैंकिंग व्यवस्था, कला आदि में महिलाओं हेतु नवीन आयामों व सम्भावनाओं की विस्तृत जानकारी डॉ रश्मि सिह ने प्रदान की। साथ ही, डॉ अम्बिका व डॉ पारूल ने इन क्षेत्रों से जुडी विख्यात महिलाओं की जीवनी, उनके संघर्षो तथा उनके द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यो की गूढ चर्चा कर सभी प्रतिभागियो को प्रेरित किया । इसी क्रम में डा0 अम्बिका ने डिजिटल उपकरण (लैपटोप) सें बालिकाओ को पोलिटेक्निक में डिप्लोमा, डिफेंस, पशुपालन एवं कम्पूटर सांइस जैसे क्षेत्रो में आगे बढने के लिए प्रोत्साहीत किया।

कार्यक्रम में मौजूद मुख्यसमन्वयक डॉ संजीव सिह ने आज अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की बेला पर जीवन में "विज्ञान की महत्ता," पर अत्यन्त प्रेरणादयक भाषण भी दिया। जिसमें उन्होने महिलाओं की प्रतिभा, सामर्थ्य, बौद्विक क्षमता, कल्याण व सशक्तिकरण के लिए अंधविश्वास का परित्याग व वैज्ञानिक द्वष्टिकोण का अंगीकरण अनीवार्य बताया।

कार्यक्रम में, समस्त बलिकाओं हेतु एक "चित्र पहचानों " प्रतिस्पर्धा का भी आयोजन किया गया, जिसमें डॉ पारूल ने डिजिटल उपकरण की मदद से बालिकाओं को विभन्न क्षेत्रों में सफल व प्रभावी महिलाए जैसे सानिया मिर्जा, द्रौपदी मुर्मू, मैरी कॉम, रानी लक्ष्मी बाई आदि महान महिलाओं का चित्र दिखाकर उनकी पहचान कराई, जिससे कक्षा 8 की कृष्णा तथा वर्षा ने प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

"भारतीय वीरांगनाओं की शौर्य गाथाएँ" विषय पर कार्यक्रम में लघु निबंध तथा "महान ऐतिहासिक महिलांए" विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता में खुशी व शबनम ने प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया, तथा चित्रकला में अजंली व शिवानी प्रथम व द्वितीय स्थान पर रही। समस्त विजेताओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साह वर्धन किया गया ।

स्थानीय स्तर पर महिलाओं द्वारा महत्वपूर्ण उपलब्धियॉ हासिल करने वाली महिलाओं की चर्चा कर डॉ अम्बिका और डॉ शालिनी ने महिलाओं व बालिकाओं को प्रोत्साहित व प्रेरित किया । अंत में समस्त प्रतिभागियो को अल्पाहार भी वितरित किया गया।

महिला अध्ययन केंद्र

निबंध लेखन प्रतियोगिता

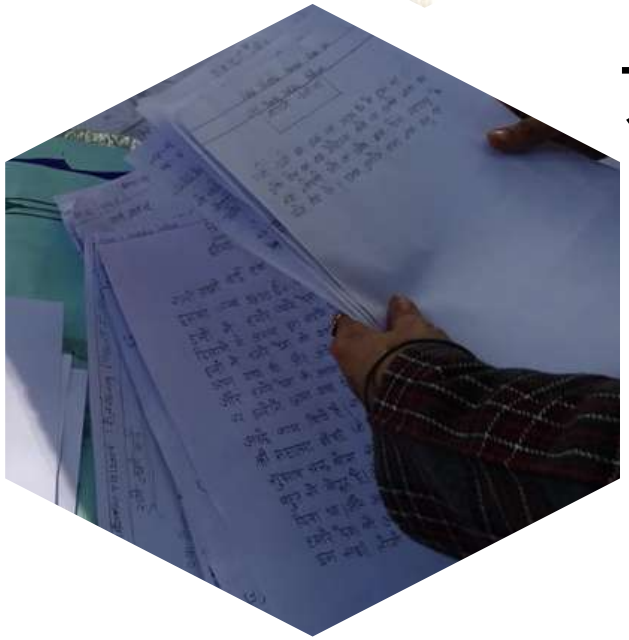

चित्रकारी प्रतियोगिता

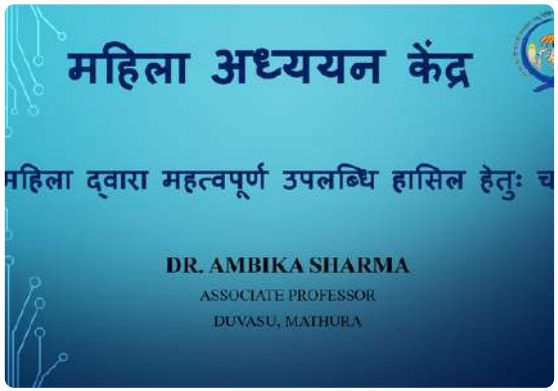

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं चर्चा

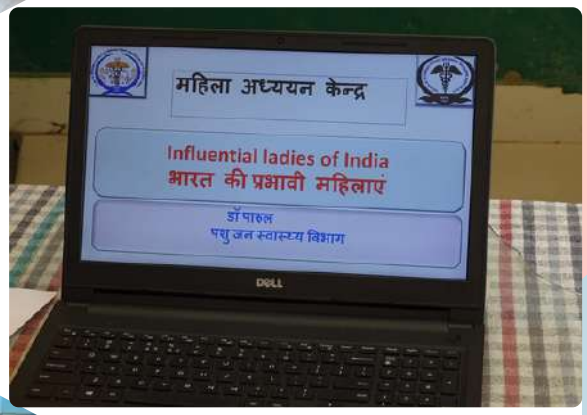

पुरस्कार वितरण